रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99 REGD. NO. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 18] नई दिल्ली, बुधवार, जनवरी 25, 2012/माघ 5, 1933
No. 18] NEW DELHI, WEDNESDAY, JANUARY 25, 2012/MAGHA 5, 1933

राष्ट्रपति सचिवालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 जनवरी, 2012

सं. 2-प्रेज़/2012.—राष्ट्रपति, निम्नलिखित कार्मिक को उनके उत्कृष्ट वीरतापूर्ण कार्यों के लिए **"अशोक चक्र"** प्रदान करने का अनुमोदन करती हैं :—

एसएस-44448ए लेफ्टिनेंट नवदीप सिंह

सेना आयुध कोर/15वीं बटालियन मराठा लाइट इन्फैंट्री (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 20 अगस्त, 2011)

लेफ्टिनेंट नवदीप सिंह 15 मराठा लाइट इन्फैंट्री घातक प्लाटून के कमांडर के रूप में नियंत्रण रेखा के हाई एल्टीट्यूड क्षेत्र में तैनात थे ।

20 अगस्त, 2011 को लगभग 0030 बजे आतंकवादियों के दल की घुसपैठ की सूचना मिलने पर लेफ्टिनेंट नवदीप सिंह ने आतंकवादियों के संभावित मार्ग का अनुमान लगाया तथा उपयुक्त स्थान पर घात लगाई । आतंकवादियों का पता लगने पर अफसर ने स्वयं घात को अंजाम दिया । दोनों तरफ से भारी गोलीबारी शुरू हो गई । लेफ्टिनेंट नवदीप सिंह ने आगे बढ़कर सामने से अपनी टुकड़ी का नेतृत्व करते हुए तीन आतंकवादियों को नजदीक से मार गिराया । एक आतंकवादी को अपनी टुकड़ी की तरफ आते देख लेफ्टिनेंट नवदीप सिंह ने अपनी सुरक्षा की बिल्कुल भी परवाह न करते हुए अपनी गोलीबारी करने के स्थान को तेजी से बदलकर गोलीबारी शुरू कर दी । ऐसा करते हुए एक गोली उनके सिर पर लगी । इसके बावजूद उन्होंने चौथे आतंकवादी को भी मार गिराया । अपने घायल साथी को सुरक्षित बाहर निकालने में उन्होंने अतुलनीय वीरता तथा सखाभाव का प्रदर्शन किया और तब तक फायरिंग करते रहे जब तक कि वे बेहोश होकर गिरे नहीं ।

लेफ्टिनेंट नवदीप सिंह ने उच्च कोटि की कार्यकुशलता, दृढ़ता व अदम्य साहस का परिचय देते हुए आतंकवादियों को मार गिराया और देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया ।

बरूण मित्रा, राष्ट्रपति के संयुक्त सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT

NOTIFICATION

New Delhi, the 23rd January, 2012

No. 2-Pres/2012.—The President is pleased to approve the award of the "**Ashoka Chakra**" to the undermentioned person for the acts of most conspicuous gallantry :—

SS-44448A Lieutenant Navdeep Singh

Army Ordnance Corps/15th Battalion the Maratha, Light Infantry (Posthumous)

(Effective date of the award : 20 August, 2011)

Lieutenant Navdeep Singh was Ghatak Platoon Commander of 15 Maratha Light Infantry deployed in the High Altitude Area near the Line of Control.

On receiving information about the infiltration of a group of terrorists at about 0030 hrs on 20 August 2011, the officer gauged the likely route of the terrorists and laid an ambush at the appropriate spot. When the terrorists were spotted, the ambush was sprung by the officer himself. An exchange of intense fire ensued. Leading from the front, the officer eliminated three terrorists at close range. On seeing another terrorist approaching their position, with utter disregard to his personal safety, the officer swiftly changed his firing position. While doing so, he got hit by a bullet on his head. He nevertheless managed to eliminate the fourth terrorist. Further, displaying utmost bravery and comradeship, he pulled an injured fellow-soldier to safety and kept firing till he became unconscious due to excessive blood loss.

Lieutenant Navdeep Singb displayed his indomitable spirit, determination and exceptional bravery while putting down the terrorists and making the supreme sacrifice for the nation.

BARUN MITRA, Jt. Secy. to the President

Printed by the Manager, Government of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.